Tages-Gewinnliste

16. Ziehung der 5. Klasse 152. Königl. Sächs. Landes-Lotterie.

Gezogen am 19. Oktober 1907.

Alle Nummern, neben welchen kein Betrag steht, sind mit 300 Mark gezogen worden.
(Ohne Gewähr für Richtigkeit. Nachdruck verboten.)

Nr. 440 245 24 356 596 388 806 247 266 287 274 398 (500) 844 197 462 175 569 523 608 **1145** 250 287 189 751 (1000) 818 135 **643** 142 556 590 691 123 161 445 **2882** 647 568 (1000) 288 523 718 773 309 823 90 578 415 472 279 149 521 385 181 550 276 180 388 **3472** 772 952 (2000) 661 678 962 890 457 492 (1000) 960 627 (1000) 363 786 374 (1000) 167 800 (1000) 752 850 74 223 998 757 **4380** 826 562 161 403 140 186 680 667 803 724 888 86 703 987 151 (2000) 534 141 781 (2000) 466 25 364 312 (1000) 868 (500)

5173 699 90 536 481 892 988 466 105 802 151 829 746 1 943 274 600 (1000) 882 (1000) 527 846 469 303 885 278 843 140 324 97 **6050** 80 128 (1000) 28 921 275 23 223 579 245 66 710 (1000) 206 682 189 560 444 41 533 (500) 987 905 **7181** 422 908 480 889 44 518 588 785 792 294 338 86 295 763 767 839 437 452 **8207** 418 **(3000)** 773 918 822 690 589 624 281 455 809 479 498 140 824 756 867 352 695 626 **9462** 952 951 728 213 109 89 269 983 237 398 438 918 488 191 537 949 846 996 (500) 623 247 310 688 487

10504 112 109 886 143 485 483 (1000) 162 987 884 207 851 (1000) 669 69 4 842 **11634** 398 20 222 905 584 495 968 86 587 822 590 670 575 295 180 654 67 737 **12120** 671 862 903 834 155 434 643 435 856 (500) 302 906 816 (500) 108 865 259 470 198 **13312** 795 **(3000)** 182 (1000) 973 806 280 59 959 906 837 792 867 43 482 176 871 642 674 **14151** 212 176 925 248 314 619 644 589 458 724 492 363 480 319 569 248 991 488 570 574 175 882 501 552 204 586

15882 556 465 (500) 711 353 507 949 649 **(3000)** 799 805 864 797 492 **16810** 269 62 399 844 544 90 291 65 376 250 350 204 438 242 (2000) **17764** 352 908 454 (500) 849 389 664 184 625 166 64 614 506 737 856 61 (1000) 145 **(3000)** 782 524 349 **(3000)** 981 556 800 312 **18308** 529 251 162 658 867 855 868 689 403 194 588 29 18 168 773 865 **19651** 462 750 835 900 864 760 815 237 908 441 838 914 (1000) 267 245

20515 7 288 266 941 (500) 186 79 3 462 143 50 615 373 674 730 623 891 725 512 263 19 **21996** 943 482 325 45 182 815 640 894 744 742 575 620 259 **(3000)** 641 **22395** 700 270 959 149 477 480 824 524 259 562 298 458 999 228 481 636 114 980 654 781 963 (500) 232 806 **(3000)** 882 811 678 894 22 **23000** 580 868 740 46 635 879 551 564 965 932 (1000) 585 447 381 818 884 569 956 60 **24760** 777 305 (500) 909 507 685 207 49 895 493 12 929 846 958 486 437 550 484 755 579 17 740 578

25144 727 466 239 437 218 723 945 (1000) 631 436 978 909 759 439 87 297 **26223** 51 374 331 420 29 332 684 367 256 74 15 134 23 305 425 969 13 289 739 **27485** 365 734 122 647 627 679 331 (2000) 291 562 118 522 236 110 697 349 580 836 79 184 655 727 **28567** 425 740 838 751 167 733 82 582 994 996 833 982 (500) 820 615 528 390 427 **29718** 224 672 803 800 856 95 899 468 827 617 291 82 480 48 902 81 (1000) 472 (500) 586 249 158 101 728 304 598 133 564 554

30076 693 41 616 479 541 (500) 712 974 826 376 713 800 32 867 470 579 973 940 553 642 975 529 **31186** 678 768 (1000) 160 477 190 6 (1000) 210 550 592 960 531 599 745 187 888 891 574 486 152 769 28 822 **32553** 152 476 486 201 980 531 555 284 297 70 171 (2000) 205 390 867 968 651 983 (500) 580 76 236 27 142 930 975 (500) 446 827 206 898 3 78 124 962 499 435 **33004** (1000) 910 659 851 152 323 193 388 87 799 561 538 8 372 705 127 304 764 863 422 244 42 325 **34592** 182 423 792 **35 (5000)** 628 298 602 456 622 953 162 760 164 526 646 821 387 536

35109 457 74 95 679 220 308 (500) 879 566 387 896 769 392 428 527 489 265 197 494 221 709 194 375 316 **36594** 766 818 686 47 561 (1000) 167 605 863 96 852 115 **37868** 239 **612** 133 646 982 129 815 628 464 521 875 878 329 (1000) 522 568 629 814 **123** (500) 853 456 **38758** (1000) 675 221 910 301 417 483 709 496 173 73 90 792 894 962 435 489 62 653 103 **39086** 600 582 960 181 752 180 **544** 506 504 (1000) 548 218 529 746 73 31 631 559 771 393 721 256 40000

40991 540 563 692 274 865 108 169 566 662 256 707 503 **743** 288 22 647 660 661 **41006** 500 788 124 199 10 536 651 481 545 717 980 328 520 312 318 920 24 512 **42292** 812 705 183 618 488 913 591 905 602 578 748 657 163 (500) 355 659 **43389** 670 195 125 (1000) 550 574 300 648 **(3000)** 63 918 (2000) 617 983 284 904 286 **44087** 436 726 840 188 (1000) 878 265 54 868 158 890 (1000) 243 31 427 944 (500) 356

45214 (500) 893 941 236 (1000) 606 387 348 654 401 77 282 364 24 813 708 219 (500) 714 693 88 102 **46572** 5 637 123 **(3000)** 760 433 (2000) 924 678 118 201 800 168 279 364 672 **47855** 61 642 (500) 987 159 (500) 545 979 184 680 736 471 957 133 422 946 791 90 23 650 **48091** 196 309 458 501 313 115 497 (500) 739 301 203 988 19 870 204 474 24 977 964 703 253 713 717 368 461 818 891 **49147** 794 357 (1000) 915 65 389 565 365 **(3000)** 584 (500) 230 579 381 965 184 22 (500) 927 59 383 968 198

50442 682 106 471 108 640 808 (1000) 285 328 880 376 967 165 278 948 334 23 219 941 916 (500) 109 651 973 169 999 291 **51694** 961 599 969 900 768 543 2 274 631 **52059** 120 516 544 110 608 285 313 488 222 263 112 232 (1000) 790 239 472 159 336 327 540 83 148 688 **(3000)** **53728** 737 794 50 605 881 905 346 280 533 451 825 98 49 436 16 691 (2000) 692 301 **54581** 660 587 571 518 859 341 714 844 185 60 156 184 404 27 681 130 203 961 427 945 736

55384 904 139 580 (2000) 802 (2000) 200 967 588 (500) 629 219 299 80 228 378 625 331 163 433 691 660 820 **714** **56412** 403 676 278 582 611 903 574 835 92 831 411 67 250 734 499 372 222 279 (2000) 263 **57447** 626 582 766 74 231 820 142 422 727 791 121 412 705 354 81 591 750 14 303 800 68 627 881 961 (1000) 589 410 661 **58553** 711 663 261 5 150 921 (1000) 238 95 93 186 745 455 41 363 (500) 141 (2000) 164 (1000) 383 676 **59136** 340 782 767 **(3000)** 787 128 (2000) 652 76 238 928 754 133 89 879 244 745 988 703 978 698 1 314 948

60803 53 32 709 419 244 284 899 163 64 979 81 (500) 707 166 384 738 55 815 **61567** (2000) 367 230 996 75 429 720 768 187 492 826 (1000) 260 390 876 575 925 277 84 **62804** 103 189 316 309 733 725 724 593 976 14 609 (500) 202 (500) 353 176 721 (2000) 516 545 257 497 827 **63054** 108 116 265 542 545 581 88 828 525 743 918 184 712 532 222 555 374 801 375 101 376 894 **64402** 141 (500) 923 728 770 647 778 903 939 137 612 589 335 572 454 738 411 716 396 293 622

65392 (500) 210 554 436 236 361 (500) 224 836 227 814 970 795 44 149 169 687 106 56 377 257 707 **66818** 956 202 819 (500) 151 87 139 545 431 909 991 46 886 235 (2000) 541 69 692 892 **67937** 743 119 354 705 (500) 331 615 738 363 889 375 582 900 665 282 810 720 482 **68462** 171 718 **(3000)** 128 94 296 (2000) 381 612 (2000) 803 960 (1000) 886 346 22 **69691** 412 223 680 823 170 968 (500) 323 288 23 991 891 586 (500) 611 822 229 237 556 766 980 395 409

70526 873 473 983 129 456 892 218 980 622 471 613 464 863 638 973 700 979 743 715 140 415 327 72 **71328** 186 649 606 281 182 811 (1000) 119 369 (500) 547 327 80 657 590 765 839 (500) 604 454 486 **72631** 821 165 588 (1000) 886 784 629 809 639 76 154 127 404 924 604 867 735 919 273 **73419** 966 175 72 275 319 561 840 807 255 578 422 749 296 368 522 693 41 936 281 937 890 399 60 115 166 **74917** 630 142 412 55 (1000) 588 400 954 925 341 954 384 853 236 545 803

75975 22 644 497 60 296 63 754 747 296 104 588 **(3000)** 198 348 643 685 554 **(3000)** 423 75 (1000) 297 783 **(3000)** 441 **76815** 24 945 343 469 (1000) 712 79 284 322 758 818 (500) 632 125 362 442 499 353 613 (2000) 835 915 922 649 217 833 **77390** 179 231 702 747 564 829 (500) 884 546 136 362 438 234 592 374 220 612 551 960 783 **78038** 764 198 97 410 227 486 964 532 429 207 893 999 540 424 133 602 257 (500) 940 **79692** 885 707 471 826 73 294 448 771 656 312 83 281 998 197 978 484 716 873

80512 317 457 139 253 643 85 486 518 373 992 651 **81976** 461 649 982 621 817 364 35 161 20 291 541 768 378 4 874 303 834 452 **82458** 354 439 (500) 105 941 834 188 851 93 236 470 810 363 709 **83472** 390 961 505 545 832 (1000) 129 550 **(3000)** 761 690 253 308 398 222 534 384 159 **84648** 42 (1000) 174 969 5 546 555 259 182 459 857 606 950 689

85257 825 967 695 60 560 (1000) 351 184 (500) 354 737 **86978** 714 606 530 332 174 612 467 503 (2000) 703 945 111 271 687 296 644 962 853 (500) 329 146 826 248 198 **87844** 125 884 785 651 786 165 749 453 (2000) 802 722 315 408 (1000) 528 337 554 138 30 193 98 953 **88339** 268 365 378 862 (1000) 957 283 90 749 229 286 774 295 565 183 15 22 (1000) 173 442 247 448 661 157 437 64 **89759** 501 695 651 162 315 173 758 386 50 3 792 725 933 551 84 228 388 779 508

90838 (1000) 212 454 557 372 209 365 187 95 585 911 562 683 247 486 (500) 256 **91281** 284 992 679 252 947 625 194 459 966 418 836 409 392 **92404** (500) 488 240 61 124 546 276 682 889 809 645 777 435 776 335 189 210 62 657 867 **93228** 994 999 14 203 504 151 563 26 145 357 412 644 886 (1000) 574 48 831 84 411 142 920 **(3000)** 380 **94419** 937 472 610 247 288 383 440 371 613 497 800 954 75 212 412 473 295 894 372 293 (500) 513 38 838

95655 813 28 5 185 952 (500) 194 885 143 731 394 (500) 862 (1000) 677 356 65 892 416 **96936** 210 (500) 971 553 808 606 13 391 849 (500) 146 561 828 477 973 56 686 767 785 984 71 126 245 562 831 **97172** (500) 688 530 512 682 987 697 322 295 238 828 61 385 947 544 281 160 813 461 110 **98825** 801 875 101 367 574 753 394 666 586 928 401 706 655 470 920 562 750 797 703 406 **99859** 815 939 81 553 482 340 513 580 825 198 370 (1000) 357 387 680 257 928 159 (2000) 254

5000 auf Nr. 34253 bei Herrn Carl Zenker in Chemnitz.

Im Glücksrade verbleiben nach heute beendigter Ziehung an größeren Gewinnen:

1 Prämie à 300,000. Gewinne: 1 à 500,000, 1 à 10,000, 4 à 5000, 46 à 3000, 38 à 2000, 87 à 1000.

Leipziger Handelszeitung.

Börsen- und Handelswesen.

≙ **Leipziger Börse vom 19. Oktober.** Die neueste Meldung der Mansfeldschen Gewerkschaft wurde auch an der hiesigen Börse als ein Anlaß zu Beruhigung betrachtet. Der Kurs konnte sich infolgedessen verhältnismäßig gut behaupten; daß er überhaupt noch eine Kleinigkeit zurückging, hat seinen Grund einerseits darin, daß die heutige Meldung aus Eisleben in weiteren Kreisen des Publikums noch nicht bekannt sein konnte, anderseits aber auch in dem neuerlichen Rückgang der Rohkupferpreise sowie der Kurse der Kupferwerte in London und New York, endlich in der Zahlungsschwierigkeit der New Yorker Kupferfirma. Allerdings gab es auch Stimmen, die die letztgenannte Tatsache als einen Wendepunkt in der Kupferpreisbewegung betrachtet wissen wollten und die darauf hinwiesen, daß es sich bei der rückläufigen Bewegung der Kupferpreise weniger um das Verhältnis von Produktion und Konsumtion als vielmehr um reine Finanzfragen handelt. Der Verkehr in Mansfelder Kuxen war heute hier recht rege; zu der heutigen Notiz blieb noch lebhafte Nachfrage bestehen. Aber im übrigen ließ das Geschäft wieder recht viel zu wünschen übrig; die schwachen Tendenzmeldungen von außerhalb wirkten auch hier verstimmend und drückten zum Teil auf den hiesigen Kursstand; besonders lagen Textilwerte, soweit sie überhaupt verändert waren, schwächer. Höhere Kurse erzielten nur wenige Papiere; dazu gehörten u. a. Oelsnitzer Kuxe, Halle Zement, Sächsische Emaille und Zeitzer Paraffin. Eisenbahnwerte lagen still, aber fest. Banken zeigten eher eine Tendenz zur Schwäche, während heimische Fonds heute befestigt waren und zum Teil bessere Kurse, allerdings bei unbedeutendem Geschäft, aufwiesen. Ausländische Fonds neigten nach unten. Die Gesamttendenz war lustlos.

Höher waren: Amsterdam kurz 5 ₰, Italien kurz 10 ₰, London kurz ½ ₰, Paris lang 10 ₰, 4proz. (alte) Leipziger 0,20, 3proz. Reichs 0,05, 3proz. Consols 0,05, 3½proz. do. 0,05, Schatzanweisungen 0,05, Meridionalbahn 1, Mitteleuer 0,50, Prag-Duxer 0,50, 3½proz. Aussiger 0,10, neue Rumänen 0,10 bzw. 0,25, Erzgebirger 3 ₰, Zeitzer Paraffin 0,75, Leipziger Bankant 1, Oelsnitzer 8 ₰, Halle Zement 1,25, Sächsische Emaille 0,75.

Niedriger waren: 3½proz. Sachsen 0,20, Russische Noten 0,10, 3proz. Leipziger (Theateranleihe) 0,25, 3½proz. Leipziger 0,20, Leipziger Hypotheken X 0,10, Prinz Heinrich 0,50, Franzosen 1, Lombarden 0,25, Ferdinand-Nordbahn 0,50, Kaschau-Oderberg 0,25, Oesterreichische Kronen 0,25, Ungarische Goldrente 0,10, Zwickauer Vereinsstück 3 ₰, Voigtländer 10 ₰, Dux-Bodenbach 0,75, Diskonto 1, Chemnitzer Bankverein 1,25, Darmstädter Bank 0,50, Deutsche Bank 0,75, Dresdner Bank 1, Meininger 0,50, Bochum 1,50, Gelsenkirchen 1, Harpen 2, Laura 1,50, Mansfelder 9 ₰, Hapag 0,50, Lloyd 1, Schubert 2, Zimmermann 1, Norddeutsche Wolle 3,50, Sodeig 1, Stöhr 0,50, Vereinsbier 1, Schultz 1.

Bank- und Geldwesen.

⊙ **Sächsische Bank zu Dresden.** Uebersicht am 15. Oktober.

Aktiven.	1907	1906	Passiven.	1907	1906
Kurzfäll. deutsches Geld	17 583 786	19 458 054	Eingezahltes Aktienkap.	30 000 000	unverändert
Reichskassenscheine	188 950	433 225	Reservefonds	7 142 728	6 728 734
Not. and. deutsch. Bank	13 882 640	11 235 750	Banknoten im Umlauf	42 648 000	45 489 100
Sonstige Kassenbestände	502 054	1 671 835	Täglich fällige Verbindlichkeiten	26 531 982	20 756 220
Wechselbestände	55 408 775	49 254 992	An Kündigungsfrist gebund. Verbindlichkeiten	21 297 079	23 720 048
Lombardbestände	18 508 060	23 636 795	Sonstige Passiven	2 383 891	2 433 997
Effektenbestände	6 053 825	9 722 950			
Debitor. u. sonst. Aktiven	3 340 525	3 764 475			

Von im Inlande zahlbaren, noch nicht fälligen Wechseln sind weiter begeben worden 2 149 721.07 (24 921) ℳ.

⊙ **4proz. Jenaer Stadtanleihe.** Ein Konsortium, bestehend aus der Bank für Thüringen, der Allgemeinen Deutschen Credit-Anstalt, Leipzig, Gebr. Arnhold, Dresden, W. Koch jr., Jena, der Privatbank zu Gotha und A. Spiegelberg, Hannover, hat den Zuschlag auf die ausgeschriebene 4proz. Jenaer Stadtanleihe erhalten.

ir. **Nordpark, Terrain-Aktiengesellschaft in Berlin.** Die Verwaltung veröffentlicht eine längere Darstellung über die Fortschritte des Unternehmens, besonders über den Bebauungsplan. Es geht daraus hervor, daß die Gesellschaft demnächst mit Parzellenverkäufen weiter vorgehen kann.

Berg- und Hüttenwesen.

tz. **Bohrversuche nach Steinkohlen** sind von Zwickauer Unternehmern wiederholt in Zschocken bei Hartenstein vorgenommen worden, aber erfolglos geblieben. Jetzt sollen in Härtensdorf Bohrversuche vorgenommen werden, da dieser Ort näher dem Zwickauer Kohlenrevier liegt und man hofft, daß die Kohlenfelder bis dahin reichen.

Br. **Sächsische Gußstahlfabrik in Döhlen.** Die Generalversammlung setzte die Dividende auf 20 Proz. auf das bisherige 3 Millionen Mark betragende Aktienkapital fest. Es gelangen demnach zur Auszahlung 13½ Proz. auf die Aktien und 6⅔ Proz. gleich 20 ℳ auf die Genußscheine vom alten Aktienkapital, sowie 3⅓ Proz. auf die Aktien und 1⅔ Proz. gleich 5 ℳ auf die Genußscheine von neuem ab 1. April 1907 dividendenberechtigten Aktienkapital von 750 000 ℳ. Die Zahl der Aufsichtsräte wurde auf 6 erhöht und der bisherige technische Leiter Nägel neu hinzugewählt. Die Ergebnisse des abgelaufenen Geschäftsjahres wären noch günstiger gewesen, wenn nicht neue Anschaffungen und die Ausgestaltung des Werkes größere Abschreibungen erfordert hätten. Im ersten Quartal des neuen Jahres war die Gesellschaft überaus stark beschäftigt, und auch der gegenwärtige Beschäftigungsgrad ist durchaus befriedigend. Es liege kein Anlaß zu einer pessimistischen Auffassung bezüglich der ferneren Gestaltung der Konjunktur vor.

≙ **Mansfeldsche Kupferschieferbauende Gewerkschaft in Eisleben.** In Sachen des Schlottenwasserdurchbruches auf Zirkelschacht ist zu berichten, daß der Ausfluß der Schlottenwasser in der IV. Tiefbausohle der Hohenthalschächte, der jahrelang bis vor kurzem noch ca. 20 Kubikmeter pro Minute betrug, vollständig aufgehört hat. Damit ist der Zusammenhang der Zirkelschächter Schlotten mit den Hohenthalschächter Schlotten erwiesen. In der V. Tiefbausohle des Zirkelschachtes sind die Wasser noch gestiegen. Eine ausführliche Darlegung der Schlottenwasserverhältnisse wird demnächst erfolgen. — Diese neue Mitteilung der Ober-Berg- und Hüttendirektion dürfte zweifelsohne zur weiteren Beruhigung der Kuxenbesitzer beitragen, da daraus hervorzugehen scheint, daß die Schlottenwasser in der V. Tiefbausohle des Zirkelschachtes, die jetzt zum Durchbruch gekommen sind, mit den seit Jahren in der IV. Tiefbausohle der Hohenthalschächte ausgeflossenen identisch sind. Das scheint auch darin seine Bestätigung zu finden, daß, wie wir hören, der Schlottenwasserzufluß auf dem Zirkelschachte jetzt ebenfalls ungefähr 20 cbm pro Minute betragen soll. Die Bemühungen der Gewerkschaft, eine Verbindung des Zirkel- mit den Hohenthalschächten herzustellen, führen also offenbar auf den richtigen Weg, denn die Wasserhaltungsmaschinen auf den letztgenannten Schächten sind, wie aus den oben stehenden Ausführungen ersichtlich ist, zurzeit frei geworden und können für die Sümpfung der ihnen aus dem Zirkelschacht zugeführten Wasser nutzbar gemacht werden. Uebrigens hören wir noch, daß diese Maschinen für eine weit größere Leistungsfähigkeit eingerichtet sind, als von ihnen bisher verlangt wurde. Alles in allem kann man also nach den neuesten Ausführungen der Mansfeldschen Gewerkschaft wohl Vertrauen zu einer baldigen Bewältigung des jetzigen Wasserdurchbruchs haben.

ir. **Rheinisch-Nassauische Bergwerks-Aktiengesellschaft in Stolberg (Rhld.).** Im dritten Quartal wurde ein Ueberschuß von 292 000 ℳ erzielt und in den ersten drei Quartalen 1,59 Millionen Mark gegen 2,8 Millionen Mark in derselben Zeit des Vorjahres.

ir. **Deutsch-Luxemburgische Bergwerks- und Hüttenaktiengesellschaft in Bochum.** Wie die Verwaltung im Geschäftsbericht für das Jahr 1906/07 mitteilt, beträgt der Reingewinn nach Abschreibungen von 5,04 (2,23) Millionen Mark 2,99 Millionen Mark (wie i. V.). Die Dividende ist, wie bereits gemeldet, auf 10 Prozent festgesetzt. Der reine Betriebsüberschuß beziffert sich auf 8,71 (6,05) Millionen Mark, der Bruttogewinn auf 8,04 (5,3) Millionen Mark. Die erhebliche Steigerung der Ergebnisse des abgelaufenen Geschäftsjahres ist den Differzingener Anlagen zuzuschreiben. Die Fertigstellung der neuen Anlagen auf den Kohlzechen hat sich infolge des außerordentlichen Arbeitermangels sehr hinausgezogen. Die Brikettfabrik Dahlhausen lieferte im Jahre 1906 keinen Ertrag, da die hohen Kohlenpreise die Selbstkosten erheblich verteuerten. Aus der rechtzeitigen Fertigstellung der Neu- und Umbauten auf den Hüttenwerken konnte die Gesellschaft besonderen Nutzen ziehen, da bei gesteigerten Herstellungsmengen und geordneteren Betriebsverhältnisse niedrigere Selbstkosten erzielt worden sind. Ein Rückgang im Beschäftigungsgrad würde infolge der Erzielung besserer Arbeitsleistung zweifellos nur günstig auf die Gewinnergebnisse einer ganzen Reihe von Zechen einwirken.

Braugewerbe.

—m. **Leipziger Malzfabrik in Schkeuditz.** Die unter Vorsitz von Georg Roediger abgehaltene Generalversammlung, in der 20 Aktionäre 800 000 ℳ Aktienkapital vertraten, genehmigte einstimmig die Verteilung einer Dividende von 5 Proz. und nahm die Wiederwahl des satzungsgemäß aus dem Aufsichtsrat ausscheidenden Mitgliedes Clemens Wehner vor.

ir. **Brauerei Paulshöhe vorm. Spitta in Osterfeld.** In der Aufsichtsratssitzung wurde der Abschluß für 1906/07 vorgelegt. Der Ueberschuß beträgt 185 000 (97 000) ℳ. Es wurde vorgeschlagen, davon 89 000 (88 000) ℳ zu Abschreibungen zu verwenden und wieder eine Dividende von 7 Proz. zu verteilen.

Verschiedene Industriegesellschaften.

§ **Peniger Maschinenfabrik und Eisengießerei, Aktiengesellschaft, in Penig i. S.** In Bestätigung unserer neulichen Ankündigung, daß die Gesellschaft, die bekanntlich auch hier in Leipzig eine Zweigniederlassung (Unruh & Liebig) unterhält, die aus den Vorjahren restierende Unterbilanz zu tilgen in der Lage sei, wird uns jetzt offiziell bestätigt und hinzugefügt, daß nach Abschreibungen von ca. 150 000 ℳ (149 003 ℳ, wozu noch 23 743 ℳ Abschreibungen auf Verluste traten) ein Reingewinn von 288 000 ℳ verbleibt. Dadurch wird die noch bestehende Unterbilanz von 286 161 ℳ getilgt; der kleine Rest von rund 3000 ℳ wird auf neue Rechnung vorgetragen.

Br. **Sächsische Automaten- und Türschließer-Aktiengesellschaft in Dresden.** In der Aufsichtsratssitzung wurde beschlossen, 5200 ℳ zu Abschreibungen und 34 000 ℳ zum Delkrederekonto und zum Spezialreservefonds zu verwenden. Aus dem danach verbleibenden Reingewinn von 54 000 ℳ soll der am 30. November stattfindenden Generalversammlung die Verteilung einer Dividende von 8 Proz. vorgeschlagen werden.

△ **Zeitzer Eisengießerei und Maschinenbau-Aktiengesellschaft.** Bei der Besprechung des Rechenschaftsberichtes für das Jahr 1906/07 in der heutigen Morgenausgabe ist die Ueberweisung auf Delkrederekonto mit 10 000 ℳ angegeben. Diese Ueberweisung beträgt, wie wir berichtigend bemerken, 63 513 (40 000) ℳ, so daß nunmehr im ganzen 80 000 ℳ auf Delkrederekonto zurückgestellt sind.

ir. **Maschinenbau-Aktiengesellschaft vorm. Sterke & Hoffmann in Hirschberg i. Schl.** Die Dividende wird mit 4½ (4) Proz. vorgeschlagen.

ir. **Stettiner Elektrizitätswerk.** In der Generalversammlung wurde die Dividende auf 6½ Proz. festgesetzt. Wie die Verwaltung mitteilt, sind im neuen Geschäftsjahr die Anträge über Stromlieferung reichlich vorhanden und die Gesellschaft ist in sämtlichen Betriebszweigen stark beschäftigt.

Transportwesen.

—r. **Sächsische Staatseisenbahnen.** Nach vorläufigen Feststellungen betrugen die Einnahmen im September insgesamt 13 180 000 (+ 621 900) Mark. Davon stammten 4 559 000 (+ 303 900) ℳ aus dem Personenverkehr und 8 621 000 (+ 318 000) ℳ aus dem Güterverkehr. Die Gesamteinnahme seit 1. Januar belief sich danach auf 112 987 032 (+ 5 991 933) Mark. Der Personenverkehr erbrachte 38 950 856 (+ 889 857) ℳ und der Güterverkehr 74 036 176 (+ 5 102 076) ℳ.

Braunschweigische Landeseisenbahn. Sept. 153 930 (— 2839) ℳ, seit 1. Januar 1 317 530 (+ 6534) ℳ.

Verbände.

*— **Der Stahlwerksverband** plant der „Köln. Volksztg." zufolge auf Antrag der Gewerkschaft Deutscher Kaiser eine Vereinfachung der Formeisenproduktion durch eine andere Verteilung der einzelnen Profile unter die Mitglieder. Das bedeutet für die kleineren Trägergeschäfte Frachtverluste, da sie fortan von einem Werke nicht mehr sämtliche Profile beziehen könnten.

ir. **Kalisyndikat.** In der Aufsichtsratssitzung, über die bereits telegraphisch berichtet wurde, ist noch nachzutragen, daß die Gewerkschaft Thüringen die Verhandlungen mit dem Syndikat abgebrochen hat und außersyndikatlich verkaufen will, obgleich ihr eine mehr als ausreichende Quote angeboten worden war. Jedoch wird in Syndikatskreisen das Werk als ungefährlich angesehen, da es nur schlechte Salze liefere.

Zahlungseinstellungen usw.

*— **Ueber die etwaige Beteiligung der Berliner Großbanken an der Insolvenz Haller, Söhle & Co.** hat der „Voss. Ztg." auf Anfrage folgende Auskünfte erhalten: Der A. Schaaffhausensche Bankverein ist an dem Zusammenbruch des Hamburger Hauses in keiner Weise beteiligt. Die mit ihm verbündete Dresdner Bank ist für die in ihrem Besitz befindlichen Akzepte gedeckt. Nur in einem einzigen Falle ist eine Deckung nicht vorhanden. Sollte hier ein Verlust entstehen, so würde er ziemlich gering sein. Die Deutsche Bank hat kein Wechselengagement mit der fallierten Firma mehr. Die Berliner Handelsgesellschaft hatte von Haller, Söhle & Co. 250 000 ℳ Wechsel in ihrem Besitz, doch sind diese von den Vorgiranten bereits eingelöst worden. Ein gleiches ist, um es im Zusammenhang hiermit zu bemerken, von der Magdeburger Privatbank zu berichten. Die Disconto-Gesellschaft erklärt, daß weder sie noch ihre Filialen direkt durch den Zusammenbruch des Hamburger Hauses berührt seien. Von der Bank für Handel und Industrie und der Nationalbank für Deutschland wurde dem genannten Blatte mitgeteilt, daß ihre Verluste nur gering sein würden. Aehnlich sollen auch die Verhältnisse bei der Commerz- und Discontobank liegen. — Die Reichsbank ist durch Wechselbesitz ihrer Hamburger Niederlassung an der Insolvenz Haller, Söhle & Co. zwar beteiligt, dürfte indes kaum einen Verlust erleiden. Es handelt sich überhaupt nur um einen relativ kleinen Wechselbetrag, der teilweise schon durch Giroguthaben der fallierten Firma gedeckt ist; für den Rest bieten die Giranten der Haller-Söhleschen Wechsel Sicherheit. Zum Schluß der Berliner Börse verlautete noch gerüchtweise, daß eine Anthrazitfirma, die in Stettin und Berlin vertreten ist, durch die Hamburger Insolvenz sehr bedenklich getroffen werde. Der Hamburger Korrespondent des genannten Blattes meldet drahtlich: Die Reichsbank hat im Hamburger Gebiet nur unbedeutende Beträge der Firma Haller, Söhle & Co. diskontiert, die durch andere Unterschriften vollständige Sicherheit bieten. — Die Hypothekenbank in Hamburg ist vollständig unbeteiligt. — Der Status der Firma Haller, Söhle & Co. wird erst in einigen Tagen bekannt gegeben werden. Man ist bemüht, einen Konkurs zu vermeiden. — Wie dem „B. T.-B." von unterrichteter Seite mitgeteilt wird, wird die Zahlungseinstellung der Firma Haller, Söhle & Co. nicht von weiteren Folgen für den Hamburger Platz sein. Die Firma hat seit Jahrzehnten keine Finanztransaktionen mehr durchgeführt, und Effektenengagements von irgendwelcher Bedeutung sollen nicht vorhanden sein. Der Zusammenbruch ist erfolgt, weil die Firma sich weit über ihre Verhältnisse hinaus in größtenteils unrentablen Grundstücksspekulationen und industriellen Unternehmungen engagiert hat, die sie durchzuhalten nicht imstande war. Die Akzepte in Höhe von ca. 15 000 000 Mark sind in sehr vielen verschiedenen Händen. Ein erheblicher Teil davon validiert gegen Deckung, so daß die Aussteller die Akzepte ohne Verlust aus dem Verkehr ziehen können. Ein größerer Teil beruht auf Krediten an kaufmännische Firmen, denen es nicht schwer fallen dürfte, neue Verbindungen zu finden, während der Rest Tratten der oben erwähnten Unternehmungen darstellt. Die Hamburger Kaufmannschaft ist daher so gut wie uninteressiert. — Inzwischen zieht die Hamburger Insolvenz immer weitere Kreise. So wird aus Lübeck drahtlich gemeldet, daß an der Zahlungseinstellung Haller, Söhle & Co. in Hamburg auch dortige große Firmen mit Beträgen bis zu 800 000 ℳ beteiligt sind. Die Banken sind um Herbeiführung eines Arrangements bemüht. — Ferner erhalten sich die schon erwähnten Gerüchte, daß sich die Stettiner Anthrazitwerke Wagner, die von dem insolventen Hamburger Bankhause kommanditiert sind, in Verlegenheiten befinden